(4). नगरीय विकास विभाग की कार्य योजना

(क) नगर पालिका/नगर पंचायतों की कार्ययोजना –

जनपद में एक नगर पालिका परिषद, चित्रकूटधाम कर्वी तथा दो नगर पंचायते क्रमशः मानिकपुर एंव राजापुर है। स्थानीय निकायों द्वारा विभागीय बजट से कई रोजगार परक योजनाएं संचालित की जा रही है जिसमें मुख्यतः सडकों एवं नालियों का निर्माण, गलियों में खड़जों का निर्माण आदि मुख्य है। इसके अतिरिक्त सूखाजनित रोगों से बचाव हेतु कीटनाशक दवाओं एंव फॉगिग आदि प्रत्येंक वार्डो में कराये जाने की योजना है। इसके लिए कीटनाशक दवाएं चूना, फिनाइल, गैमेक्सीन, ब्लीचिंग आदि विसंकरण औषधियों की व्यवस्था पर्याप्त मात्रा में की जायेगी। एक फॉगिग मशीन के क्रय किये जाने की आवश्यकता है। सूखा राहत योजना के तहत नगर पालिका परिषद कर्वी को 01 लाख तथा दोनो नगर पंचायतों को क्रमशः 50–50 हजार धनराशि उपलब्ध करायी गयी है, जिससे पर्याप्त मात्रा में कीटनाशक दवाएं तथा विसंकरण औषधियॉ आदि क्रय कर ली गयी है जिनका प्रतिदिन छिडकॉव नगर पालिका/पंचायतों के प्रत्येक वार्डो में किया जा रहा है।

(ख) नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) की कार्ययोजना –

नगर क्षेत्र में डूडा द्वारा भी रोजगार परक योजनाएं एवं स्वरोजगार की योजनायें यथा स्वर्णजयन्ती स्वतः रोजगार योजना, स्वर्ण जयन्ती कौशल सुधार योजना, डबाकवा योजना, सखी कोष समूह योजना तथा मलिन बस्ती सुधार योजना आदि संचालित की जा रही है, जिसके तहत सड़क एंव नालियों का निर्माण, स्वच्छ शौचालयों का निर्माण, स्वरोजगार हेतु सिलाई, कढाई, बुनाई तथा कम्प्यूटर प्रशिक्षण आदि का कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। जिससे अब तक 1078 मानव रोजगार दिवस सृजित किये जा चुके है तथा 121 लाभार्थियों को स्वरोजगार उपलब्ध कराये जा चुके है। नगरीय क्षेत्र में इस वित्तीय वर्ष के अन्त तक डूडा के लिए 2500 मानव रोजगार दिवस सृजन तथा 192 स्वरोजगार का लक्ष्य निर्धारित है जिसके लिए सतत् प्रयास किये जा रहे है। डूडा की कार्ययोजना के तहत तालाबों की खुदाई एंव जीर्णोद्धार के तहत 8257 जल प्रवाहित शौचालयों के निर्माण के द्वारा 3406 तथा सीसी सडकों के निर्माण के द्वारा 3930 कुल 15583 रोजगार दिवस सृजन की कार्ययोजना तैयार कर ली गयी है। इसके लिए सूखाराहत योजना तथा विभागीय बजट से धनराशि उपलब्ध करायी जा रही है।

सूखाराहत के तहत तालाबों के जीर्णोद्धार तथा गहरे किये जाने के कार्य प्रमुखता से लिये गये है। नगरीय क्षेत्र से सटे एंव चित्रकूट के अध्यात्मिक एंव पर्यटन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण 03 तालाबों के जीर्णोद्धार की कुल 18.91 लाख की परियोजना डूडा द्वारा तैयार की गयी है जिसके सापेक्ष्य अब तक 05 लाख रू0 दैवी आपदा राहत निधि से उपलब्ध करा दिया गया है। शेष धनराशि भी शीध्र ही उपलब्ध करा दी जायेगी।

इस प्रकार स्थानीय निकायों तथा डूडा के द्वारा सूखा प्रभावित नगरीय क्षेत्र में जहॉ पर सम्पत्तियों के निर्माण का कार्य किया जा रहा है वही रोजगार दिवस का सृजन प्रमुखता से किया जा रहा है।